डिजिटल इंडिया पहल के नौ वर्ष

प्रिलिम्स के लिये:

[डिजिटल इंडिया पहल](), जीवन स्तर, पारदर्शिता को बढ़ावा देना, ई-गवर्नेंस, आर्थिक विकास, कॉमन सर्विस सेंटर, IT कौशल, डिजिटल साक्षरता, IT अधिनियम 2000,

मेन्स के लिये:

डिजिटल इंडिया पहल की चुनौतियाँ, पहल।

स्रोत: पी. आई. बी.

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने डिजिटल इंडिया पहल के **9 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे** होने की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि डिजिटल इंडिया एक सशक्त भारत का प्रतीक है जिससे लोगों का **'जीवनयापन और ज़्यादा आसान'** होता जा रहा है एवं पारदर्शिता भी बढ़ रही है।

डिजिटल इंडिया पहल क्या है?

- **परिचय**
  - डिजिटल इंडिया **1 जुलाई, 2015 को भारत सरकार द्वारा लॉन्च** किया गया था।
  - यह **कार्यक्रम 1990 के दशक के मध्य में शुरू हुए** ई-गवर्नेंस **प्रयासों** पर आधारित है, लेकिन इसमें सामंजस्य और अंतरक्रियाशीलता का अभाव था।
- **उद्देश्य:**
  - **डिजिटल विभाजन को कम करना:** यह पहल तकनीक-प्रेमी व्यक्तियों और सीमित डिजिटल पहुँच वाले लोगों के बीच असमानता को कम करने के लिये काम करती है।
  - **डिजिटल भागीदारी को बढ़ावा देना:** यह शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सरकारी सेवाओं जैसे क्षेत्रों को शामिल करते हुए सभी नागरिकों के लिये डिजिटल प्रौद्योगिकी लाभों तक समान पहुँच सुनिश्चित करने का प्रयास करता है।
  - **आर्थिक विकास को बढ़ावा देना:** तकनीकी प्रगति और नवीन समाधानों का उपयोग करके, डिजिटल इंडिया का उद्देश्य पूरे देश में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
  - **जीवन स्तर को उन्नत करना:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं में प्रौद्योगिकी के रणनीतिक अनुप्रयोग के माध्यम से नागरिकों के जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाना है।
- **डिजिटल इंडिया पहल के नौ स्तंभ:**
  - **ब्रॉडबैंड हाईवे:** कनेक्टिविटी और डिजिटल सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिये देश भर में व्यापक **हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड नेटवर्क** के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना।
  - **मोबाइल कनेक्टिविटी तक सार्वभौमिक पहुँच:** दूरदराज़ के क्षेत्रों तक मोबाइल कवरेज का विस्तार करना, जिससे सभी नागरिक मोबाइल सेवाओं से जुड़ सकें और डिजिटल अर्थव्यवस्था में भाग ले सकें।
  - **सार्वजनिक इंटरनेट पहुँच कार्यक्रम:** वहनीय इंटरनेट पहुँच उपलब्ध कराने, डिजिटल विभाजन को दूर करने और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये वंचित क्षेत्रों में सामान्य सेवा केंद्र स्थापित करना।
  - **ई-गवर्नेंस, सरकारी सेवाओं को सुव्यवस्थित करने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग:** नागरिक सहभागिता को बढ़ाते हुए पहुँच, दक्षता एवं पारदर्शिता में सुधार करना।
  - **ई-क्रांति: MyGov.in** जैसे प्लेटफॉर्म पहुँच एवं परिचालन दक्षता को प्राथमिकता देते हुए नागरिकों को सरकारी सेवाओं की इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी की सुविधा प्रदान करते हैं।
  - **सभी के लिये सूचना:** ऑनलाइन पहुँच के लिये **सरकारी रिकॉर्ड को डिजिटाइज़** करना तथा **नवाचार एवं विकास को बढ़ावा देने हेतु ओपन डेटा पहल** को बढ़ावा देना।
  - **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण:** आयात को कम करने, रोज़गार सृजन करने तथा विनिर्माण क्लस्टरों के साथ-साथ **निवेश प्रोत्साहनों के**

माध्यम से डिजिटल आर्थिक विकास को समर्थन देने हेतु स्थानीय इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को प्रोत्साहित करना।

- **नौकरियों के लिये सूचना प्रौद्योगिकी (IT):** डिजिटल साक्षरता मिशन तथा स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से **उद्योग जगत की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिये युवाओं** के [आईटी कौशल]() को बढ़ाना, [कौशल संवर्धन]() के **साथ-साथ आईटी क्षेत्र में रोज़गार पर ध्यान केंद्रित** करना।
- **अर्ली हार्वेस्ट अग्रीमेंट:** तत्काल डिजिटल आवश्यकताओं को संबोधित करने वाली विशिष्ट परियोजनाओं को शामिल करना, जैसे- स्कूली प्रमाण-पत्रों तक ऑनलाइन पहुँच, **डिजिटल उपस्थिति एवं सार्वजनिक स्थानों पर वाई-फाई** सुविधा।

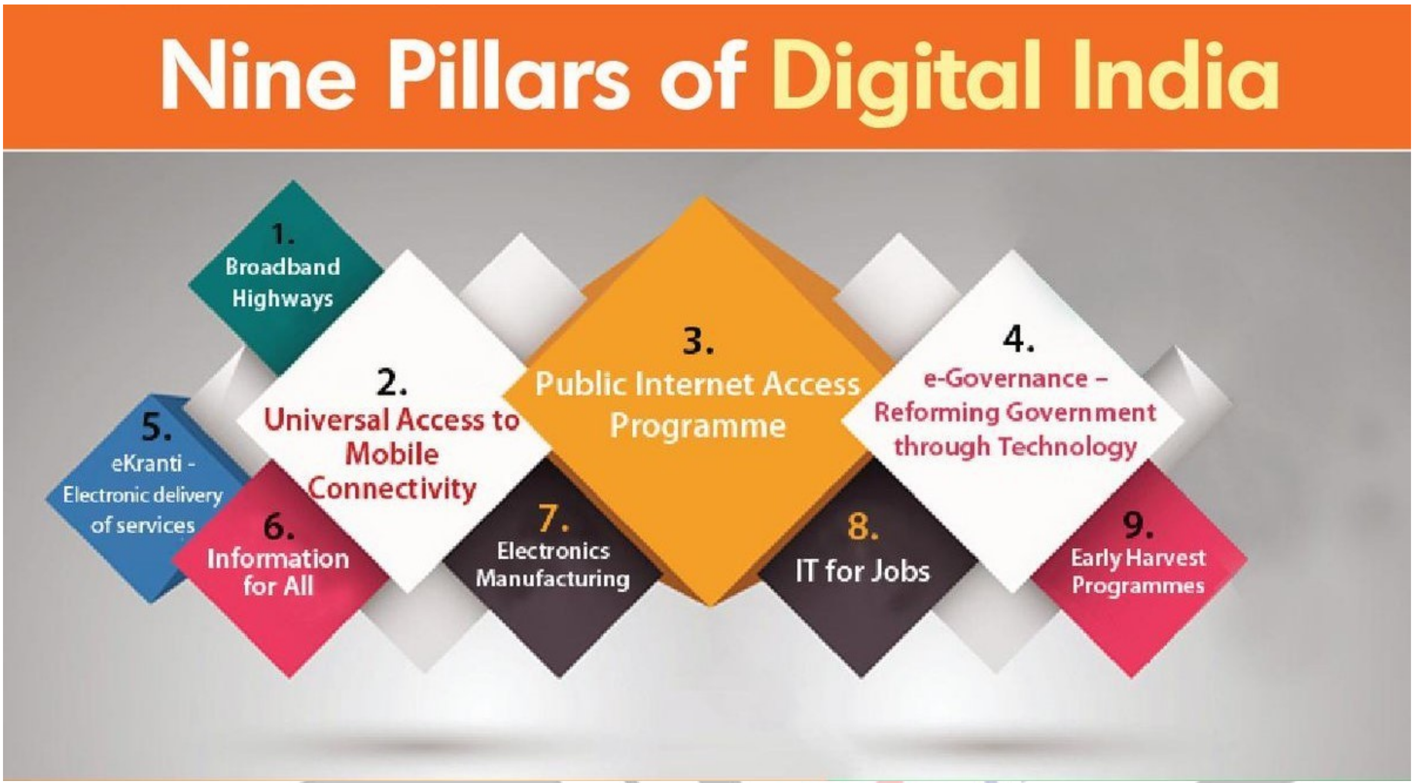

//

डिजिटल इंडिया के लिये की गई विभिन्न डिजिटल इंडिया पहल क्या हैं?

- **[आधार:]()** एक बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली जो निवासियों को **12 अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या** प्रदान करती है।
- **[भारतनेट:]()** यह परियोजना गाँवों में हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने तथा **ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सेवाएँ सक्षम बनाने के उद्देश्य** से बनाई गई है।
- **[स्टार्टअप इंडिया:]()** यह उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और प्रोत्साहन, वित्तपोषण तथा मार्गदर्शन के माध्यम से स्टार्टअप्स को समर्थन देने की एक पहल है।
- **[ई-नाम (e-NAM):]()** एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जो कृषि बाज़ारों को जोड़ता है, उपज की कुशल बिक्री की सुविधा भी प्रदान करता है।
- **[डिजिटल लॉकर:]()** महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ों को सुरक्षित रूप से संग्रहीत करने के साथ-साथ डिजिटल रूप से उन तक पहुँचने के लिये एक क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म।
- **[भीम यूपीआई:]()** एक डिजिटल भुगतान प्रणाली जो स्मार्टफोन का उपयोग करके सुरक्षित **पीयर-टू-पीयर लेन-देन को सक्षम** बनाती है।
- **ई-साइन फ्रेमवर्क:** डिजिटल हस्ताक्षर का उपयोग करके दस्तावेज़ों पर ऑनलाइन हस्ताक्षर करने की अनुमति प्रदान करता है।
- **MyGov:** एक नागरिक सहभागिता मंच जो शासन एवं नीतिगत चर्चाओं में भागीदारी की सुविधा प्रदान करता है।
- **ई-हॉस्पिटल:** ऑनलाइन पंजीकरण और स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुँच सहित डिजिटल अस्पताल सेवाएँ।
- **[SWAYAM प्लस प्लेटफॉर्म]()**
- **[उमंग एप (UMANG App)]()**
- **[स्मार्ट सिटी]()**
- [डिजिटल इंडिया अधिनियम (DIA), 2023:]() **प्रस्तावित अधिनियम का उद्देश्य भारत के बढ़ते इंटरनेट उपयोगकर्त्ता आधार, तकनीकी प्रगति और नई डिजिटल चुनौतियों के अनुकूल, पुराने** [सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000]() **को प्रतिस्थापित करना है। DIA, AI और ब्लॉकचेन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को ज़िम्मेदारी से अपनाने के लिये दिशा-निर्देश प्रदान करता है, नैतिक मानकों को बनाए रखते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करता है।**

डिजिटिल इंडयिा के संबंध में चुनौतयिाँ और आगे की राह क्या है?

चुनौतयिाँ	आगे की राह
• **डिजिटिल डविाइड: 2021 तक** भारत की इंटरनेट पहुँच दर लगभग 47% थी, जसिसे आधी से ज़्यादा आबादी बनिा पहुँच के रह गई। ग्रामीण क्षेत्र वशिष रूप से पछिड़े हुए हैं, **जहाँ शहरी क्षेत्रों में 67% की तुलना में केवल 32% ग्रामीण इंटरनेट पहुँच है।** • यद्यपभिारतनेट ने प्रगतकिी है, फरि भी वर्ष **2021 तक 2.5 लाख ग्राम पंचायतों में से केवल 1.7 लाख ही ऑप्टकिल फाइबर से जुड़ी थीं,** जो ग्रामीण क्षेत्रों में बुनयिादी ढाँचे के अंतराल को दर्शाता है।	• **डिजिटिल वभिाजन को कम करना:** सार्वजनकि वाई-फाई नेटवर्क स्थापति करने के लयि [पीएम-वाणी योजना] जैसी पहलों को लागू करना, जसिका लक्ष्य वर्ष 2024 तक **2 मलियिन हॉटस्पॉट** स्थापति करना है। • 5G इंफ्रास्ट्रक्चर में नविश करना, जसिका लक्ष्य वर्ष 2025 तक 40% आबादी को कवर करना है।
• **डिजिटिल साक्षरता:** डिजिटिल साक्षरता की कमी एक बाधा बनी हुई है। **IAMAI यानी इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसएिशन ऑफ इंडयिा एंड कंतार** की वर्ष 2021 की रपिोर्ट से पता चला है कभिारत की केवल **34%** आबादी ही डिजिटिल रूप से साक्षर मानी जाती है।	• **डिजिटिल साक्षरता बढ़ाना:** वर्ष 2023 तक 60 मलियिन ग्रामीण परवािरों को प्रशकि्षति करने के लक्ष्य तक पहुँचने के लयि [प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटिल साक्षरता अभयिान (PMGDISHA)] का वसि्तार करना। • **स्कूल पाठ्यक्रम** में डिजिटिल साक्षरता कार्यक्रमों को शामलि करना, जसिका लक्ष्य वर्ष 2025 तक डिजिटिल रूप से साक्षर जनसंख्या को **34% से बढ़ाकर 50%** करना है।
• **साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता संबंधी चतिाएँ:** [CERT-In] के अनुसार भारत को वर्ष 2020 में 11 मलियिन से अधकि साइबर सुरक्षा घटनाओं का सामना करना पड़ा। • भारत [डिजिटिल वैयक्तकि डेटा संरक्षण अधनियिम, 2023 (DPDPA)] एक ऐतहिासकि कानून है जसिका उद्देश्य डिजिटिल युग में व्यक्तयिों की नजिता की रक्षा करना है।	• **साइबर सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण:** लक्ष्य मज़बूत कानून और नजिता हेतु सुदृढ़ तंत्र के माध्यम से वर्ष 2026 तक साइबर अपराध की घटनाओं को 50% कम करने के लक्ष्य के साथ [राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति] क्रयिान्वति करने की आवश्यकता है।
• **ई-गवर्नेंस चुनौतयिाँ:** यद्यपई-गवर्नेंस पहल में सुधार हुआ है फरि भी दूरवर्ती क्षेत्रों में **डिजिटिल पहचान सत्यापन** और सेवा के वतिरण संबंधी समस्याएँ बनी हुई हैं।	• **ई-गवर्नेंस की दक्षता वृद्धि:** वर्ष 2024 तक सभी सरकारी सेवाओं के लयि **एकीकृत डिजिटिल पहचान प्रणाली** क्रयिान्वति की जानी चाहयि। **वर्ष 2025** तक **उमंग ऐप** की सहायता से उपलब्ध सेवाओं की मौजूदा संख्या **1,251 से बढ़ाकर 2,500** की जानी चाहयि।
• **कौशल अंतराल: नैसकॉम फ्यूचरस्कलि्स रपिोर्ट** के अनुसार भारत के 20% तकनीकी पेशेवरों में भवषि्य की नौकरयिों के लयि आवश्यक प्रासंगकि डिजिटिल कौशल का अभाव है।	• **कौशल अंतराल को पाटना:** उभरती प्रौद्योगकियिों में पेशेवरों को कुशल बनाने के उद्देश्य से एक राष्ट्रीय डिजिटिल कौशल कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रति करने की आवश्यकता है। एक नजिी सर्वेक्षण रपिोर्ट के अनुसार भारत में वर्ष 2026 तक **30 मलियिन डिजिटिल रूप से कुशल पेशेवरों** की आवश्यकता होगी।

दृष्टमिेन्स प्रश्न:

प्रश्न: डिजिटिल इंडयिा पहलों का नरीक्षण करते हुए उनके समक्ष वदि्यमान चुनौतयिों और इन चुनौतयिों के प्रभावी समाधान के लयि आवश्यक उपायों का उल्लेख कीजयि।

UPSC सवििलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के

<u>??????????:</u>

प्रश्न: नम्िनलखिति पर वचिार कीजयि: **(2022)**

1. आरोग्य सेतु
2. कोवनि
3. डजिलॉकर
4. दीक्षा

उपर्युक्त में से कौन-से ओपन-सोर्स डिजिटिल प्लेटफॉर्म पर बनाए गए हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2, 3 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nine-years-of-digital-india-initiative